



**उच्च तथा निम्न स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले कबड्डी खिलाड़ियों में
विद्यमान नकारात्मक आक्रामकता का तुलनात्मक अध्ययन**

डॉ. संतोष बाजपेयी
वरिष्ठ क्रीडाधिकारी,
शासकीय लरंग साय अग्रणी महाविद्यालय, रामानुजगंज छत्तीसगढ़

प्रतियोगिता में प्रथम छह स्थानों में आने वाली कबड्डी टीम से कुल 25 कबड्डी खिलाड़ियों (औसत आयु 23.72 वर्ष) का चयन किया गया तथा इन्हें उच्च स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले कबड्डी खिलाड़ियों के समूह में रखा गया। इसके अतिरिक्त जिला स्तर की कबड्डी प्रतियोगिताओं में भाग लेने 25 पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों (औसत आयु 20.92 वर्ष) का चयन भी किया गया तथा इन्हें निम्न स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले कबड्डी खिलाड़ियों के समूह के रूप में रखा गया। न्यादर्श की नकारात्मक आक्रामकता के स्तर की जाँच सुलतानिया (2006) द्वारा निर्मित प्रश्नावली द्वारा की गयी। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार उच्च स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों में नकारात्मक आक्रामकता, निम्न स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले कबड्डी खिलाड़ियों की तुलना में सार्थक स्तर पर कम पायी गयी। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला गया कि नकारात्मक आक्रामकता ऋणात्मक रूप में खेल प्रदर्शन को प्रभावित करती है।

प्रस्तावना

उच्च स्तरीय खेल प्रदर्शन हेतु विभिन्न शारीरिक, जैवभौतिकीय एवं मानवमितीय चरों के अतिरिक्त मनोवैज्ञानिक गुणों की महत्ता भी समय-समय पर खेल मनोवैज्ञानिक ने प्रतिपादित की है। इसी कड़ी में आधुनिक खेल जगत में आक्रामकता को भी प्रमुख चर के रूप में माना गया है यद्यपि खेल प्रदर्शन एवं आक्रामकता के मध्य सहसंबंध पर मनोवैज्ञानिकों में मतभिन्नता है [Schurr et al. (1977), Huang (1999), Beedie et al. (2002)]।

खेलों को उसमें उत्पन्न होने वाली आक्रामकता के अनुरूप क्रमबद्ध किया जा सकता है। कुछ खेलों में विपक्षी खिलाड़ी के खिलाफ काफी शारीरिक बल का प्रयोग करना पड़ता है एवं कुछ खेलों में वातावरण के खिलाफ काफी शारीरिक बल का प्रयोग करना पड़ता है। अनेक खेलों में खिलाड़ी को नियमों के दायरे एवं विशिष्ट अवस्थाओं के अन्दर रहकर उसे आक्रामक बने रहना पड़ता है।

पारंपरिक भारतीय खेल कबड्डी में भी खिलाड़ी को नियमों के तहत व्यवहार करना पड़ता है तथा इस खेल में खिलाड़ी के उत्तेजित होने के कई कारण हो सकते हैं जिनमें निर्णायक द्वारा दिये जाने वाले निर्णय, विरोधी खिलाड़ियों का भड़काऊ व्यवहार आदि शामिल होता है। चूंकि नकारात्मक आक्रामकता

खेल प्रदर्शन को प्रभावित करती है, अतः इस तथ्य का अवलोकन रोचक होगा कि क्या उच्च तथा निम्न स्तरीय खेल प्रदर्शन करने वाले कबड्डी खिलाड़ियों में नकारात्मक आक्रामकता भिन्न-भिन्न होती है ?

परिकल्पना

उच्च स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों में नकारात्मक आक्रामकता, निम्न स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों की तुलना में सार्थक स्तर पर कम पायी जायेगी।

अध्ययन पद्धति :

अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये अध्ययनकर्ता द्वारा निम्नलिखित अध्ययन पद्धति का चयन किया गया।

न्यादर्श :

उपरोक्त अध्ययन के लिये राष्ट्रीय एवं अंतर्विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में प्रथम छह स्थानों में आने वाली कबड्डी टीम से कुल 25 कबड्डी खिलाड़ियों (औसत आयु 23.72 वर्ष) का चयन किया गया तथा इन्हें उच्च स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले कबड्डी खिलाड़ियों के समूह में रखा गया। इसके अतिरिक्त जिला स्तर की कबड्डी प्रतियोगिताओं में भाग लेने 25 पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों (औसत आयु 20.92 वर्ष) का चयन भी किया गया तथा इन्हें निम्न स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले कबड्डी खिलाड़ियों के समूह के रूप में रखा गया।

परीक्षण विधि:

- आक्रामकता परीक्षण : चयनित न्यादर्श में विद्यमान आक्रामकता के मापन हेतु सुलतानिया (2006) द्वारा निर्मित आक्रामकता परीक्षण का प्रयोग किया गया। 07 आयामी इस प्रश्नावली में आक्रामकता के मापन हेतु कुल 67 प्रश्न हैं। इस प्रश्नावली की विश्वसनीयता पुरुष वर्ग के लिये 0.90 है जबकि इसकी वैधता पुरुष वर्ग के लिये 0.45 पायी गयी है। इस प्रश्नावली के अनुसार आक्रामकता परीक्षण में अधिक प्राप्तांक ज्यादा नकारात्मक आक्रामकता मानी जाती है।

प्रक्रिया :

अध्ययन के लिये चयनित न्यादर्श को सुलतानिया (2006) द्वारा निर्मित आक्रामकता परीक्षण दी गयी। आक्रामकता प्रश्नावली पर प्राप्त उत्तरों की जांच प्रश्नावली निर्माता द्वारा सुझायी गयी विधि द्वारा की गयी एवं प्राप्त आंकड़ों को उनके समूहों के अनुसार सारणीकृत के सांख्यिकीय विश्लेषण का कार्य किया गया।

प्राप्त परिणाम तालिका क्रमांक 1 में प्रस्तुत किये गये हैं।

सांख्यिकीय विश्लेषण :

तालिका क्रमांक 1

उच्च तथा निम्न स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों के मध्य

नकारात्मक आक्रामकता की तुलना

चर	उच्च स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले कबड्डी खिलाड़ी (N=25)		निम्न स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले कबड्डी खिलाड़ी (N=25)		‘t’	सार्थकता का स्तर
	Mean	S.D.	Mean	S.D.		
नकारात्मक आक्रामकता	28.20	5.73	32.76	5.59	2.84	.01

तालिका क्रमांक 1 में दर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि उच्च स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों में नकारात्मक आक्रामकता (M=28.20), निम्न स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों की तुलना में (M=32.76) कम पायी गयी। प्राप्त $t=2.84$ जो कि .01 के सार्थकता स्तर पर है, इसकी पुष्टि करता है।

परिणाम :

उच्च स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों में नकारात्मक आक्रामकता निम्न स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों की तुलना में कम पायी गयी ।

निष्कर्ष :

आक्रामकता पर किये गये प्रमुख अध्ययनों में Hanegby & Tenenbaum, 2001 ने यह पाया कि टेनिस खिलाड़ियों का अपने विरोधी खिलाड़ी पर अपशब्द कहने एवं निर्णायक द्वारा दिये गये निर्णय पर अपना असंतोषजनक जताना उनके खेल प्रदर्शन को प्रभावित करता है । अतः उच्च स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले कबड्डी खिलाड़ियों में अपनी नकारात्मक आक्रामकता या खेल नियमों के विरुद्ध किये जाने वाले आक्रामक व्यवहारों को नियंत्रित करने की क्षमता, निम्न स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले पुरुष कबड्डी खिलाड़ियों से अधिक होती है जो उनके खेल प्रदर्शन के बाधित न कर उसका संवर्धन ही करती है । ।

संदर्भ सूची

- Beedie, C. J., Terry, P. C., & Lane, A. M. (2000). The Profile of Mood States and athletic performance: Two meta-analyses. *Journal of Applied Sport Psychology*, 12, 49-68.
- Huang, D. B., Cherek, D. R., & Lane, S. D. (1999). Laboratory measurement of aggression in high school age athletes: Provocation in a nonsporting context. *Psychological Reports*, 85, 1251-1262.
- Schurr, K.T.; Ashley, M.A. and Joy, K.L. (1977). A multivariant analysis of male athletic characteristics : Sports type and success. *Multivariant Experimental Clinical Research*, 3, 53-68.
- Sultania, M.K. (2006). *Aggression Inventory*. National Psychological Corporation.